सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 18 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 फरवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

चाहे जो हो जाय शादी कीजिये। अगर अच्छी पत्नी मिली तो आपकी जिन्दगी खुशहाल रहेगी, अगर बुरी पत्नी मिलेगी तो आप दार्शनिक बन जायेंगे।

-सुकरात

चैंपियंस ट्रॉफी : क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़... 7 | कांग्रेस को मांझने में जुटे राहुल... 3 | अपनी कमियों को छुपाने के लिए... 2

यूपी बजट सत्र में सपा का सीएम योगी पर प्रहार

अभिभाषण में झूठे आंकड़े पेश कर रही सरकार

आमजन के बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं विपक्ष के लोग : योगी

सीएम ने कहा कि ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाना चाहते हैं। आमजन के बच्चों को कहते हैं, उर्दू पढ़िए। ये उनके बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि विपक्ष हर अच्छे काम का विरोध करता है। विपक्ष को समाज के सामने एक्सपोज कराना चाहिए। सीएम ने कहा कि भाषा की लड़ाई चल रही है। विपक्ष ने क्षेत्रीय भाषाओं का अपमान किया। हमारी सरकार भोजपुरी के लिए बोर्ड बना रही है। अवधी के लिए बोर्ड बना रही है।

राज्यपाल आधा भाषण छोड़कर चली गईं : माता प्रसाद पांडे

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता माता प्रसाद पांडे ने बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण में कहा कि उनके अभिभाषण में जो पढ़ा जा रहा था, समाजवादी पार्टी ने उसका विरोध किया। क्योंकि, उसमें झूठे आंकड़े दिए गए थे। मांग हो रही थी कि महाकुंभ की भगदड़ में जो मौतें हो रही हैं, उसके सही आंकड़ों को बताया जाए। राज्यपाल आधा भाषण छोड़कर चली गईं। हमें लगता है कि वे महाकुंभ में हुई घटनाओं से दुखी थीं, इसलिए उन्होंने पूरे भाषण को पढ़ा ही नहीं।

सत्र शुरू होने से पहले विस अध्यक्ष ने की बैठक

सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों से कहा कि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें और स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को गति देने में सहयोग करें। अध्यक्ष ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा। वहीं, विपक्ष ने सदन में सरकार को घेरने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनता मुद्दों पर सदन में सुचारु रूप से चर्चा होनी चाहिए। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसका ध्यान सभी को रखना चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, सत्र को सुचारु रूप से चलाना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। यदि विपक्ष सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद करता है, तो मेरा अनुमान है कि यह एक बहुत अच्छा सत्र हो सकता है।

- » सपा विधायक ने खुद को जंजीरों में बांधकर किया विरोध प्रदर्शन
- » महाकुंभ व बेरोजगारी को लेकर सपा ने किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार से शुरू हो गया। यह सत्र पांच मार्च तक चलेगा। इसकी शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से हुई। सदन शुरू होते ही विपक्ष ने योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला। सदन में ज्यादा शोरशराबे की वजह से एकबार कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित की। वंदे मातरम गीत के गायन के साथ सदन की कार्यवाही पुनः शुरू की गई।

प्रमुख विपक्षी दल सपा ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला करते हुए महाकुंभ में हो रही अव्यस्था को लेकर हंगामा किया। इससे पहले सपा ने विधान भवन के सामने भी धरना प्रदर्शन किया। सत्र के पहले ही दिन सपा ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी दलों के साथ हुई बैठक में सभी से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों पर स्वस्थ और सकारात्मक चर्चा हो।

विपक्ष का आचरण गैर-जिम्मेदाराना : केशव

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा कि विपक्ष का आचरण गैर-जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है, उसकी जानकारी दी जाती है। समाजवादी पार्टी का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे महामहिम राज्यपाल का आदर करने के बजाय हल्लाबोल करते हैं। समाजवादी पार्टी ने यह दिखा दिया कि वे एक जिम्मेदार राजनीतिक दल कम और अराजकता फैलाने वाला दल ज्यादा है।

अभिभाषण शुरू होते ही शुरू हो गया हंगामा

वहीं, बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सत्र के प्रारंभ अपने अभिभाषण को पूरा नहीं पढ़ सकीं। उनके अभिभाषण के दौरान विपक्ष के लोग राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाते रहे। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के इस व्यवहार की निंदा की। यूपी के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष का रवैया बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है।

रोजगार नहीं दे पा रही सरकार : अतुल प्रधान

समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के बाहर खुद को जंजीरों में बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार नहीं दे पा रही है। इसलिए, लोग डंकी रूट से विदेश जा रहे हैं। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि आने वाले समय में किसी भारतीय प्रवासी को हथकड़ियों में निर्वासित न किया जाए।

आस्था से खिलवाड़ कर रही भाजपा : शिवपाल

सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महाकुंभ के नाम पर भाजपा ने लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। शास्त्रों में 144 साल बाद महाकुंभ का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है। ये लोग सनातन धर्म का दिखावा करके लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। सरकारी पैसे का दुरुपयोग पीआर के लिए किया गया है। ऐसी सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

अपनी कमियों को छुपाने के लिए जनता को उलझाना चाहती है भाजपा : अखिलेश

» सपा प्रमुख का तंज- आज स्टेशन बंद किया, कल को थाना बंद कर देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाकुंभ जाने के लिए लोगों का संघर्ष जारी है। साथ ही सियासी रार भी जारी है। लखनऊ से महाकुंभ जाने वाली सात ट्रेनें निरस्त कर दी गाई हैं इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेर लिया है। उन्होंने कहा कि आज भीड़ की वजह से रेलवे स्टेशन बंद किया गया है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि वो असफल हो गई है। सरकार का काम प्रशासन, नियंत्रण और प्रबंधन करना होता है, ना कि बंदी या पाबंदी।

सपा मुखिया ने तंज कसते हुए लिखा कि ताकि जनता के दुख-दर्द बढ़ें और जनता अपने में ही उलझी रहे। ताकि भाजपाई भ्रष्टाचार की ओर किसी का ध्यान न जाए। आज भीड़ के डर से रेलवे स्टेशन बंद किया है। कल को पुलिस स्टेशन भी बंद कर देंगे क्या?

नोटबंदी की तरह स्टेशन बंदी भी करेगी परेशान

वह यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे लिखा कि जैसे नोटबंदी में जनता हैरान-परेशान हुई थी, वैसे ही स्टेशन बंदी से भी होगी। प्रभुत्ववादी भाजपाई आम जनता के दुख में अपना सुख ढूंढते हैं। बाकी सरकारें तो जनता के दुखों को कम करने का काम करती हैं। लेकिन, भाजपा का डबल इंजन, ट्रबल इंजन बनकर ऐसे काम खुद करता है। महाकुंभ में संगम के सबसे पास स्थित दारागंज के प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को बंद करके सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि वो असफल हो गयी है। सरकार का काम प्रशासन, नियंत्रण और प्रबंधन करना होता है नाकि बंदी या पाबंदी।

कैंसर संस्थान पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश, रैन बसेरा न बनाने पर भाजपा को घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान पहुंचे। इससे पहले ही संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट कार्यालय छोड़कर जा चुके थे। संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शरद सिंह ने उन्हें भुआयना कराया।अखिलेश यादव सोमवार शाम, अपने विधायकों के साथ कैंसर संस्थान पहुंचे। साथ में राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी भी मौजूद थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने निदेशक के बारे में जानकारी मांगी तो बताया गया कि वे चले गए हैं। सीएमएस ने उनकी अगुवाई की और अस्पताल के बारे में जानकारी व वार्ड का निरीक्षण भी करवाया। सपा प्रमुख ने इस दौरान मरीज और तीमारदारों से उनका हालचाल पूछा। तीमारदारों ने संस्थान में रैन बसेरा न होने की बात कही। इस पर उनका कहना था कि सपा सरकार में कैंसर संस्थान का निर्माण हुआ था। भाजपा सरकार उसके बाद यहां पर रैन बसेरा का निर्माण भी नहीं करा सकी।

पार्टी चिन्ह के साथ निकाय चुनाव करवाया जाए : मीर

» कांग्रेस नेता ने कहा- झारखंड सरकार से करेंगे मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कांग्रेस ने झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव पार्टी चिन्ह के साथ कराने की मांग की है। इसको लेकर कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने रविवार को कहा कि कांग्रेस झारखंड सरकार से राज्य में होने वाले नगर निगम चुनाव पार्टी चिन्ह के साथ कराने की मांग करेगी।

बता दें कि राजनीतिक गलियारों से यह संकेत मिल रहे हैं कि राज्य सरकार इस साल निकाय चुनाव करवा सकती है। हालांकि अप्रैल 2023 से, राज्य में शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव बिना पार्टी चिन्ह के हो रहे हैं।कांग्रेस नेता मीर ने रांची में एक बैठक में कहा कि हम सरकार से मांग करेंगे कि ये चुनाव पार्टी लाइन पर हों। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर चुनाव बिना पार्टी चिन्ह के होते हैं, तो हमें कांग्रेस विचारधारा वाले उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए एक रणनीति बनानी होगी।

बजट पर चर्चा के दौरान मीर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, संगठन के सदस्यों और राज्य की जनता की राय के अनुसार बजट तैयार करने का प्रयास किया जाएगा। इस बजट पर मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी।

चुनाव परिणामों से कार्यकर्ता निराश न होकर संघर्ष जारी रखें : मायावती

» भाजपा की जबरदस्त राजनीतिक चालबाजी व जुमलेबाजी हावी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की तथा दिल्ली व अन्य पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में आगे के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों से निराश न हों और पूरे जोर-शोर से आंबेडकरवादी संघर्ष जारी रखें।

बसपा प्रमुख ने कहा कि दिल्ली चुनाव भी दो पार्टियों के बीच ज्यादातर ''राजनीतिक द्वेष व चुनावी छलावा'' ही बनकर रह गया, जिसके चलते वहां के बहुजनों की स्थिति सुधरने वाली नहीं लगती है। मायावती ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की तथा दिल्ली व अन्य पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में आगे के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। एक बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा, कि हरियाणा की तरह, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी भाजपा और आम आदमी पार्टी की जबरदस्त राजनीतिक चालबाजी व जुमलेबाजी हावी रही और इस कारण बसपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका।

आत्मसम्मान व स्वाभिमान के कारवां को आगे बढ़ाएंगे

मायावती ने जारी बयान में आगे कहा कि बसपा डॉ. आंबेडकर द्वारा शुरू किए गए बहुजन समाज के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता तक पहुंचाने तथा कांशीराम द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी और उसका मूवमेंट है। कांशीराम की तरह ही मेरे जीते-जी भी पार्टी व मूवमेंट का कोई भी वास्तविक उत्तराधिकारी तभी है, जब वह भी कांशीराम की अंतिम सांस तक उनकी शिष्या की तरह पार्टी व मूवमेंट को हर दुख और तकलीफ उठाकर आगे बढ़ाने में जी-जान से लगा रहे।

मायावती पर टिप्पणी से बवाल, उदित राज पर भड़के आकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के नेता आकाश आनंद ने मायावती के खिलाफ विवादित टिप्पणी और कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में आनंद ने राज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।बहुजन समाज पार्टी के नेता आकाश आनंद ने मायावती के खिलाफ विवादित टिप्पणी और कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज की आलोचना की।

एक्स पर एक पोस्ट में आनंद ने राज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, आज लखनऊ में माननीय कांशीराम साहब के कुछ पुराने साथी, कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस के चाटुकार उदित राज ने साहब के मिशन पर बात की। उन्होंने कहा,जबकि उदित राज अपने स्वार्थ के लिए दूसरी पार्टियों में अवसर तलाशने के लिए कुख्यात हैं। उन्हें बहुजन आंदोलन की चिंता सिर्फ इसलिए है ताकि वे किसी पार्टी से सांसद या विधायक बन सकें। इसका बहुजन समाज के उत्थान से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है, वह अस्वीकार्य है। आनंद ने कहा, मैं बहुजन मिशन का युवा सिपाही हूं, लेकिन बाबा साहब और मान्यवर साहब के मिशन को उनसे ज्यादा समझता हूं। आज इसकी भाषा में जिस तरह की धमकी है, वह हम बहुजन मिशन के करोड़ों सिपाहियों को कतई स्वीकार्य नहीं है।

क्या कहा उदित राज ने

उल्लेखनीय है कि उदित राज ने लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था, कि मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया है और अब उनका गला घोंटने का समय आ गया है। इस विवादास्पद बयान से विवाद पैदा हो गया है और पूर्व राज्यसभा सांसद के शब्दों के चयन को लेकर चिंताएं जताई गई हैं।

यूपी पुलिस राज को गिरफ्तार करे : आनंद

आनंद ने यूपी पुलिस राज को गिरफ्तार करने की मांग की उन्होंने आगे यूपी पुलिस से उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए कहा, मैं यूपी पुलिस से साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि इस अपराधी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करें और कानून के तहत सख्त कार्रवाई करें, नहीं तो देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है, मैं उन्हें सबक सिखाना अच्छी तरह जानता हूं।

उदित राज के बयान को गंभीरता से न लें कार्यकर्ता : मायावती

मायावती ने अब उदित राज पर पलटवार करते हुए उनको दलबदलू करार दिया है। बीएसपी चीफ ने कहा कि उदित राज के बयान को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट के जरिए उदित राज को जमकर घेरा. इससे पहले उनके भतीजे आकाश आनंद ने भी उदित राज को निशाने पर लिया था। अब मायावती उदित राज और कांग्रेस दोनों पर ही हमलावर हैं। उदित राज के बयान से भड़कीं मायावती ने कांग्रेस को संविधान विरोधी करार दिया। उन्होंने एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर कहा कि कुछ दलबदलू अवसरवादी और स्वार्थी दलित लोग अपने आक़ाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी आदि करते रहते हैं उनसे बहुजन समाज को सावधान रहने और उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है. क्योंकि वे सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति मूवमेंट से अनभिज्ञ और अपरिचित हैं।

'सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं। शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

कांग्रेस को मांझने में जुटे राहुल गांधी

राहुल ने कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए बनाई नई रणनीति

» कई करीबियों को पार्टी में दिलाये अहम पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को निराशा से उबारने की नई रणनीति बनाई है और उसे आगे बढ़ाने के लिए अपने करीबियों को पार्टी में महत्वपूर्ण पद दिलवाये हैं। कांग्रेस की ओर से संगठन में जो फेरबदल किया गया है वह साफ दर्शा रहा है कि भले पार्टी अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खरगे हों लेकिन चलती सिर्फ राहुल गांधी की ही है।

हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने एक के बाद एक कई विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए दो नए महासचिव और नौ प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन को महासचिव तथा रजनी पाटिल, बीके हरिप्रसाद और मीनाक्षी नटराजन समेत नौ नेताओं को विभिन्न प्रदेशों का प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नेताओं को नयी जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही राजीव शुक्ला, मोहन प्रकाश, देवेंद्र यादव, अजय कुमार, दीपक बाबरिया और भरत सिंह सोलंकी को प्रदेश प्रभारी के दायित्व से मुक्त कर दिया है। हम आपको बता दें कि राजीव शुक्ला हिमाचल प्रदेश, मोहन प्रकाश बिहार, देवेंद्र यादव सोलंकी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी का उत्तरदायित्व निभा रहे थे। देवेंद्र यादव फिलहाल दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दीपक बाबरिया ने हरियाणा में पार्टी की हार के बाद पद छोड़ने की पेशकश की थी। देखा जाये तो इन सभी राज्यों में कांग्रेस की हालत हालिया चुनावों में खराब रही या फिर यह प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में गुटबाजी को थामने और कांग्रेस को आगे बढ़ाने में विफल रहे।

बिहार में विधानसभा चुनाव पर भी नजर

इसके अलावा, बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए कांग्रेस उत्तर भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में अपनी वापसी के लिए नये सिरे से प्रयास करना चाहती है। पार्टी ने कर्नाटक के युवा नेता कृष्णा अल्लावरू को बिहार का प्रभारी बनाया है। राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले कृष्णा अल्लावरू अब तक भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे। राहुल गांधी ने अपने करीबी को राज्य में पार्टी मामलों का प्रभारी बनाकर साफ संकेत दिये हैं कि लालू-तेजस्वी के साथ सीटों के बंटवारे पर अब उनकी ओर से बातचीत कृष्णा अल्लावरू ही करेंगे।

महिला नेताओं को भी मिला कद

इसके अलावा, कांग्रेस ने रजनी पाटिल को हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़, हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश, गिरीश चोडानकर को तमिलनाडु एवं पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को ओडिशा, के. राजू को झारखंड, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना, लोकसभा सदस्य सप्तगिरि उलाका को मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड तथा कृष्णा अल्लावरू को बिहार का प्रभारी बनाया है। कांग्रेस का कहना है कि पार्टी के अन्य सभी महासचिव और प्रदेश प्रभारी सेवा देते रहेंगे। हम आपको बता दें कि इस बदलाव के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिवों की कुल संख्या 12 से बढ़कर 13 हो गई है।

भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी गयी

इसके अलावा नवनियुक्त महासचिव भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार के बाद से माना जा रहा है कि यह पार्टी पंजाब में भी कमजोर होगी। राज्य में 2027 में विधानसभा के चुनाव होने हैं इसलिए भूपेश बघेल को वहां पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसके अलावा नासिर हुसैन को जम्मू-कश्मीर का प्रभार सौंपा गया है। हुसैन को कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय की जिम्मेदारी से मुक्त किया गया है और उन्हें पूरी तरह जम्मू-कश्मीर पर ध्यान देने को कहा गया है क्योंकि हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा था।

महाराष्ट्र में आदित्य ने संभाली कमान

» शिंदे गुट से सांसदों की मेल-मुलाकातों पर शिकंजा

» नेताओं के लिए जारी की एडवाइजरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्रम में मौजूद थे। राकांपा-सपा प्रमुख शरद पवार द्वारा शिवसेना को तोड़ने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने पर निराशा व्यक्त करने के बाद, उद्धव ठाकरे सेना गुट का नेतृत्व अपने स्वयं के उन सांसदों से भी नाराज है जो शिंदे और उनके गुट के साथ मेलजोल रखते रहे हैं।

यह पता चलने के बाद कि यूबीटी सेना के कई सांसद शिंदे और अन्य लोगों से मिल रहे हैं, और यहां तक कि उस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, जहां शिंदे को पवार ने सम्मानित किया था, यूबीटी सेना के आदित्य ठाकरे ने पार्टी सांसदों से शिंदे खेमे के सांसदों के साथ मेल-मिलाप नहीं करने को कहा है। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्रम में मौजूद थे। जाहिर तौर पर उसी रात एकनाथ शिंदे के बेटे और कल्याण सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा आयोजित रात्रिभोज में पाटिल भी मौजूद थे। 12 नवंबर को, यूबीटी सेना के लोकसभा सांसद, जिनमें नागेश अष्टिकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय जाधव शामिल थे, दिल्ली में शिवसेना सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा आयोजित रात्रिभोज में उपस्थित थे। उद्धव खेमे ने दो कारणों से इन बातचीत पर आपत्ति जताई है ऐसी एक घटना तब हुई जब यूबीटी सेना ने पहले ही शिंदे को सम्मानित करने के लिए पवार पर नाराजगी व्यक्त की थी, जिसे यूबीटी सेना का मानना है कि डिप्टी सीएम को वैधता मिलती है; और दूसरा, इससे यह सवाल उठता है कि इनमें से कितने सांसद दूसरे गुट में जाएंगे। शिवसेना नेताओं की ओर से लगातार चर्चा होती रही है कि यूबीटी सेना के कई सांसद और विधायक जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

हर चीज में राजनीति नहीं लानी चाहिए : संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि राजनीति में कुछ चीजों से बचना चाहिए। कल शरद पवार ने शिंदे का तो अभिनंदन नहीं किया लेकिन अमित शाह का अभिनंदन किया। यह हमारी भावना है। राउत ने कहा कि आपकी दिल्ली की राजनीति को नहीं समझते हैं, लेकिन हम भी राजनीति को समझते हैं। राउत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शरद पवार की पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि वह अपनी निजी राय व्यक्त कर सकते हैं और हर चीज में राजनीति नहीं लानी चाहिए।राकांपा संस्थापक शरद पवार द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उनके मुख्यमंत्री रहते हुए किए गए कार्यों के लिए प्रशंसा करने के बाद विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में दरारें और बढ़ती दिखाई दीं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार पवार के इस कदम को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अच्छी भावना से नहीं लिया। राकांपा (सपा) गुट के प्रमुख पवार ने 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के अवसर पर शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया, जिसकी अध्यक्षता राकांपा संस्थापक कर रहे हैं। सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने भी इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे को सम्मानित करना गृह मंत्री अमित शाह को सम्मानित करने जैसा है, क्योंकि शिंदे ने उनकी मदद से ही शिवसेना को विभाजित किया था। हालाँकि, पवार की पार्टी ने कहा कि यह राजनीति नहीं साहित्य से जुड़ा कार्यक्रम है। कल शरद पवार ने शिंदे का तो अभिनंदन नहीं किया लेकिन अमित शाह का अभिनंदन किया। यह हमारी भावना है। राउत ने कहा कि आपकी दिल्ली की राजनीति को नहीं समझते हैं, लेकिन हम भी राजनीति को समझते हैं। राउत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शरद पवार की पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि वह अपनी निजी राय व्यक्त कर सकते हैं और हर चीज में राजनीति नहीं लानी चाहिए। कोल्हे ने कहा कि उन्होंने (शरद पवार) ने राजनेता कौशल दिखाया, जहां कोई भी हर चीज में राजनीति नहीं लाता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ भी गलत है।

शरद पवार को भी दी सलाह

सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने के लिए शरद पवार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं उनकी (शरद पवार) उम्र, वरिष्ठता और सिद्धांतों के बारे में बात नहीं करूंगा। हमारा सिद्धांत है कि हम ऐसे व्यक्ति (एकनाथ शिंदे) का कभी सम्मान न करें। उन्होंने (एकनाथ शिंदे) न सिर्फ हमारी पार्टी और परिवार को बल्कि महाराष्ट्र की रीढ़- राज्य में औद्योगीकरण को भी विभाजित कर दिया है। आदित्य ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि जो महाराष्ट्र द्रोही है, वह देश द्रोही भी होता है। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि शिवसेना को विभाजित करने वाले और 'महाराष्ट्र को कमजोर करने वाले' व्यक्ति को सम्मानित करने से मराठी लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। यह शायद पहली बार है कि शिवसेना (उबाठा) ने पवार पर सीधा हमला बोला है, जिन्हें 2019 में गठित एमवीए का मुख्य वास्तुकार माना जाता है, जो अलग-अलग राजनीतिक विचारों वाले तीन दलों का गठबंधन है। इंडिया गठबंधन को लेकर आदित्य ठाकरे ने कहा कि मैं कल रात राहुल गांधी से मिला। आज मैं अरविंद केजरीवाल से मिलूंगा। आज आपके देश का भविष्य संदेह में है। आज देश में मतदाता धोखाधड़ी और ईवीएम धोखाधड़ी के बीच हमें नहीं पता कि हमारा वोट कहां जा रहा है। क्या आज हमारे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव हो रहे हैं? हमें लगता है कि हम लोकतंत्र में रह रहे हैं, लेकिन अब यह लोकतंत्र नहीं रहा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अन्नदाताओं की अब तो सुन लो सरकार

किसान नेता डल्लेवाल पिछले तीने महीने से आंदोलनरत थे ज्यादा तबियत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। वहीं अपनी मांगों को लेकर किसान आंदोलनरत हैं। पर सरकार है कि इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है पर कोर्ट ने उनकी सुध जरूर ली है। अपने एक फैसले में कोर्ट ने कहा है कि मुआवजे में देरी, तो जमीन का मौजूदा मार्केट रेट वाला पैसा किसानों को दिया जाएगा। अब तो सरकार को सुन लेना चाहिए। इस फैसले से ये बात तो स्पष्ट हो गई हैं सरकारों से ज्यादा अन्नदाताओं को अदालतों का सहारा है। दरअसल लंबे समय से अपनी जमीन के मुआवजे का इंतजार कर रहे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसी व्यवस्था कर दी कि यदि सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के लिए मुआवजे के भुगतान में देरी होती है तो इसके एवज में जमीन के मालिक मौजूदा बाजार मूल्य को पाने के हकदार होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसी व्यवस्था कर दी कि यदि सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के लिए मुआवजे के भुगतान में देरी होती है तो इसके एवज में जमीन के मालिक मौजूदा बाजार मूल्य को पाने के हकदार होंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश देश भर के कई किसानों और अन्य लोगों को राहत तो देगा ही साथ ही पर्याप्त मुआवजा दिलाने में भी मदद करेगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश देश भर के कई किसानों और अन्य लोगों को राहत तो देगा ही साथ ही पर्याप्त मुआवजा दिलाने में भी मदद करेगा। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड के खिलाफ एक याचिका पर आया था। मामला ये था कि साल 2003 में बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रचर कॉरिडोर परियोजना के निर्माण के लिए हजारों एकड़ भूमि के अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की थी। जिसमें भूमि के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया गया, लेकिन मालिकों को मुआवजे के लिए कोई आदेश पारित नहीं किया गया. भूमि अधिग्रहण अधिकारी द्वारा 2019 में मुआवज़ा देने के लिए कोर्ट की अवमानना कार्यवाही की आवश्यकता पड़ी. हालांकि, उन्होंने मुआवज़ा 2003 की दरों के आधार पर दिया। जज बी आर गवई और के वी विश्वनाथन ने यह निर्णय देते हुए कि भूमि के मूल्य की गणना 2019 के अनुसार की जानी चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2003 की भूमि दर का उपयोग करके भुगतान करना न्याय का मखौल उड़ाना होगा. जज गवई ने कहा कि भूमि मालिकों को लगभग 22 वर्षों से उनके वैध बकाये से वंचित रखा गया है और यदि भूमि के बाज़ार मूल्य की गणना 2003 के अनुसार की जाती है, तो उन्हें काफी नुकसान होगा। साल 2019 में, जब तत्कालीन भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 2003 की दरों के आधार पर मुआवज़ा दिया, तो जमीन मालिकों ने विरोध किया। लेकिन कर्नाटक हाईकोर्ट से उन्हें निराश लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने ऊपरी अदालत का रुख किया। सरकार का ये फैसला किसानों के लिए खुशहाली लेकर आएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोजगारपरक शिक्षा से रुकेगा युवाओं का पलायन

सुरेश सेठ

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है, क्योंकि यहां की आधी आबादी 18 से 35 वर्ष की युवा पीढ़ी वाली है, जो कर्मशील है। लेकिन विडंबना यह है कि इस पीढ़ी को रोजगार की सही गारंटी देने की बजाय, उन्हें केवल बेरोजगारी से जूझने की गारंटी दी जाती है। देश में शॉर्टकट संस्कृति और अनुकंपाओं का बोलबाला है। एक ओर विकास दर के बढ़ने के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और कहा जाता है कि हम सबसे तेज आर्थिक विकास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के पास पर्याप्त रोजगार नहीं है। उनकी उम्मीदें टूट रही हैं। शिक्षा की डिग्रियां अब कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया से असंबद्ध होती जा रही हैं। आज का युवा खुद को देश की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है। हम एक समानतावादी समाज बनाने का संकल्प लेकर चले थे, लेकिन असमानताएं बढ़ती चली गईं।

देश की 90 प्रतिशत संपत्ति मुट्ठीभर लोगों के हाथों में सिमट गई है। यह स्थिति पहले भी सच थी और आज भी वही सच है। शायद जब हम आजादी के शतकीय महोत्सव पर खुद को एक विकसित राष्ट्र कहेंगे, तब भी यही सच रहेगा। एक ऐसा राष्ट्र, जहां 80 करोड़ से अधिक लोग रियायती अनाज पर निर्भर हैं। ऐसे में सपनों और उम्मीदों से भरा नौजवान अपने देश में अपने भविष्य को खो चुका महसूस करता है। उसे विदेश जाने के सपने ललचाने लगते हैं और वह किसी भी तरीके से, वैध या अवैध, विदेश जाने को तैयार हो जाता है। अमेरिका उनका सबसे आकर्षक गंतव्य बन जाता है। वहां की आय भारतीय मुद्रा में लाखों रुपये बन जाती है, जिससे वह कम से कम वेतन पाकर भी समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद करता है। ऐसे में, गांवों में खाली पड़े घर और बुजुर्गों के लिए बनी हवेलियां बस अकेलेपन और असमर्थता का प्रतीक बन जाती हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकालने का अभियान शुरू किया, जिसके तहत बिना वैध कागजात वाले भारतीय नागरिकों को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ा। ट्रम्प का नारा 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है।

इमिग्रेशन एजेंटों द्वारा दिखाए गए झूठे सपने अब टूट रहे हैं, क्योंकि इन एजेंटों ने फर्जी अकादमियों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा दिया था।

यह पीढ़ी अपने सपनों से निर्वासित होकर एक भटकाव की स्थिति में है। इन युवाओं के भविष्य का निर्धारण केवल भारत में होना चाहिए, जहां उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। पंजाब में अवैध इमिग्रेशन एजेंटों की संख्या भयावह है। यहां पंजीकृत एजेंटों की संख्या महज 212 है, जबकि अधिकांश एजेंट अवैध रूप से काम कर रहे हैं। इसके बावजूद, ट्रैवल एजेंट नए तरीके से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देते हैं, जो उन्हें अवैध रास्तों से, जैसे जंगलों में भटकने, पैदल चलने और लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सही मंजिल तक नहीं पहुंचने देते। अब अमेरिकी सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है, जिसके तहत जो लोग बिना कागजात के अमेरिका में प्रवेश करेंगे, उन्हें निकाल बाहर किया जाएगा। यह समस्या केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी गंभीर है, जो अपने ब'चों को विदेश भेजने के लिए मजबूर होते हैं। क्या भारत को अपनी युवा पीढ़ी के लिए रियायतें मांगने की आवश्यकता हो गई है? यह एक गंभीर सवाल है। मोदी और ट्रम्प की मैत्री को देखते उम्मीद की जा सकती है कि इन युवाओं को थोड़ी राहत मिल सकेगी। हालांकि, अमेरिका का अपना स्वार्थ भी है। वह भारत के तकनीकी एक्सपर्ट्स, जैसे आईटी पेशेवरों को एच-1बी वीजा के तहत स्वीकार करता है, क्योंकि वह जानता है कि ये लोग उसे डिजिटल, रोबोटिक और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में मदद कर सकते हैं। लेकिन, वह उन मजदूरों या श्रमिकों को नहीं चाहता जो उसके देश के शारीरिक कामकाजी वर्ग के वेतन में सेंध लगाते हैं।

यही कारण है कि अमेरिका अवैध प्रवासी भारतीयों के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है। इसे गलत नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हर देश का अधिकार है कि वह केवल वैध नागरिकों को अपने देश में रखे। अवैध नागरिक किसी भी देश के कानून और अनुशासन के लिए खतरा बन सकते हैं। विदेशों में रोजगार पाने की चाहत की बजाय, क्या यह समय नहीं है कि हम मेहनती युवाओं के लिए अपने देश में अवसर प्रदान करें? हमारी आर्थिक नीति को आयात आधारित से निर्यात आधारित बनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। ऐसे उद्योगों में काम करने के अवसर इन्हीं नौजवानों को मिल सकते हैं।

मुफ्त की कल्याणकारी योजनाएं स्वावलंबन दें

एस.वाई. कुरैशी

चुनावी मौसम में, भारतीय मतदाता पर विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से वादों की झड़ी लग जाती है। राजनेताओं को अचानक आम आदमी और उसको सता रही चिंताओं की याद आने लगती है। शहरी गरीब, बेरोजगार युवा, अल्पसंख्यक, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली जनता और आदिवासी – जिन्हें पांच सालों में अधिकतर समय उपेक्षित रखा जाता है- अचानक महत्वपूर्ण होकर, भावुक चर्चाओं के केंद्र में आ जाते हैं। यह एक भव्य तमाशा है, वादों का एक ऐसा नाटक, जिसमें नकदी के अलावा मुफ्त बिजली, भोजन और टीवी, साइकिल और लैपटॉप जैसे भौतिक साधन राजनीतिक मनुहार का माध्यम बन जाते हैं। हाल के दिनों में, हमारे राजनीतिक शब्दकोश में एक नया शब्द शामिल हुआ है 'रेवड़ी संस्कृति'। प्रधानमंत्री द्वारा मुफ्त की इस तथाकथित संस्कृति की आलोचना ने एक नई बहस को जन्म दिया है, जिसमें कल्याणकारी उपायों की वैधता पर सवाल उठाते हुए पूछा जा रहा है कि क्या ये व्यवहार्य हैं या सिर्फ उदारता के वेष में राजकोषीय गैर-जिम्मेदाराना कृत्य हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी अब इस मामले में दखलअंदाजी करते हुए चिंता व्यक्त की है कि अत्यधिक अनुदान लोगों को निष्क्रिय बना रहे हैं। हाल ही में एक खंडपीठ ने टिप्पणी की कि मुफ्त का राशन लोगों को काम से बचने वाला बना सकता है, और ऐसी नीतियां एक परजीवी वर्ग पैदा कर सकती हैं। हाल ही में संपन्न दिल्ली चुनावों में, सभी प्रमुख दलों ने मुफ्त उपहार देने में एक-दूसरे के साथ होड़ लगाई थी – महिलाओं और युवाओं को मासिक नकद सब्सिडी के अलावा मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा, चिकित्सा-उपचार और शिक्षा इत्यादि। कोई आश्चर्य नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है,विचार करने लायक है। बहस का सार व्यापक है, क्या ये मुफ्त चीजें गरीबों के कल्याण के लिए जरूरी हैं या चुनावी लाभ पाने को सियासी दलों की जरूरत भर हैं? एक और मुद्दा = अगर वादा गरीबों के लिए हो, तो इसे 'मुफ्त रेवड़ी' ठहराया जाता है, और जब अमीरों के लिए हो, तो प्रोत्साहन बताया जाता है।

इस बहस में, अर्थव्यवस्था पर ध्यान कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में मुफ्त तोहफे मोटे तौर पर दो श्रेणियों में आते हैं = वह जो चुनाव घोषणा से पहले दिए जाते हैं या वे जिनका वादा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किया जाता है। पहले प्रकार वाले सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णय होते हैं- सब्सिडीज, मूल्य कटौती, नई कल्याणकारी योजनाएं जो आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले, सुविधाजनक समय पर लागू किए जाते हैं। दूसरी श्रेणी वाले वह हैं, जो पार्टी के घोषणापत्रों के माध्यम से पेश किए जाते हैं- राजकोषीय परिणामों की परवाह किए बिना बड़े-बड़े वादे। चाहे इसके लिए मुफ्त का भोजन, परिवहन, खातों में नकदी का वादा किया जाए, घोषणापत्र चुनाव आयोग की जांच को आकर्षित नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 के एक मामले में फैसला सुनाया था कि ऐसे वादे जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत 'भ्रष्ट आचरण' नहीं कहे जा सकते, भले ही वे निर्विवाद रूप से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों की जड़ें हिलाने वाले हों'।

अदालत ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के परामर्श से दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। ये निर्देश वास्तव में जवाबदेह चुनाव प्रचार को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए 2013 में जारी किए गए थे कि घोषणापत्रों में किए गए वादे यथार्थवादी हों और मतदाताओं को अनुचित प्रभावित न करें। हालांकि, जो हम देखते हैं वह उल्लंघन है, यहां तक कि लाखों करोड़ रु बांटे जाते हैं। यह मतदाताओं को रिश्वत नहीं, तो और क्या है? और यह पैसा आता कहां से है? जाहिर है आपकी और मेरी जेब से। राजनेता हमारी जेबें खाली कर चुनाव जीतते हैं! मुफ्त की रेवड़ियों पर बहस में दोगलापन साफ दिखता है। जब प्रावधान गरीबों के लिए हों- जैसे राशन योजना, मुफ्त बिजली, सामाजिक कल्याण लाभ - इनको रेवड़ी बता प्रचारित किया जाता है, जबकि कॉर्पोरेट अभिजात्य वर्ग को बहुत बड़े पैमाने पर दी टैक्स कटौती को राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी वित्तीय 'प्रोत्साहन' बताया जाता है। आंकड़े इस तर्क का समर्थन करते हैं। वर्ष 2019 में, सरकार ने घरेलू निर्माताओं के लिए कॉर्पोरेट कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 25 से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था,इस कदम से सरकारी खजाने को 1.5 लाख करोड़ रु. का नुकसान हुआ, जिससे राजकोषीय घाटा काफी बढ़ा।

यह निर्णय 36 घंटों में क्रियान्वित भी कर दिया गया,जोकि मंत्रिमंडल में रखे बिना विशेषाधिकार प्रावधान के जरिये लागू किया गया। ऑक्सफैम की रिपोर्ट से खुलासा होता है कि कोविड-19 महामारी के दौरान, जहां गरीबी बढ़ी और बेरोजगारी 15 प्रतिशत जैसे उच्च स्तर पर पहुंच गई वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या में 39 प्रतिशत वृद्धि हुई। 10 सबसे अमीर भारतीयों ने इस दौरान जितना मुनाफा बनाया, वह 25 वर्षों तक भारत के प्रत्येक बच्चे की शिक्षा के लिए पर्याप्त धन जितना है। यह शाश्चत विरोधाभास है। जब सरकार अरबपतियों को कर-लाभ देती, तो यह आर्थिक सुधार के नाम पर होता है। लेकिन जब राहत गरीबों को प्रदान करनी हो तो इसे राजकोषीय गैर-जिम्मेदारी करार दिया जाता है। मुफ्त चीजों से निर्भरता बढ़ने के बारे में शीर्ष अदालत की हालिया टिप्पणी इस बहस में एक और गंभीर आयाम जोड़ती है।

एकाग्रता बढ़ाने के लिए छात्रों को करना चाहिए ये योगासन

बच्चा कितने भी उत्साह से पढ़ने बैठता हो लेकिन कुछ देर में ही वह बोरियत महसूस करने लगता है। पढ़ते-पढ़ते नींद आना, पढ़ा हुआ कुछ ही घंटों में भूल जाना या पढ़ाई में मन न लगना, ऐसी तमाम समस्याएं हैं जिसका छात्रों को सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का एक कारण एकाग्रता की कमी है। एकाग्र मस्तिष्क याददाश्त तेज बनाता ही है, साथ ही पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में भी सहायक है। ऐसे में पढ़ाई में बेहतर करने के लिए छात्रों को एकाग्रता बढ़ाने की जरूरत होती है। मस्तिष्क को तेज करने, याददाश्त मजबूत करने और एकाग्रता बढ़ाने के लिए योगासन अत्यंत प्रभावी हो सकते हैं। नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है, बल्कि मानसिक संतुलन और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाता है। ऐसे में कुछ योगासन और प्राणायाम छात्रों के लिए उपयोगी हैं।

वज्रासन

वज्रासन का अभ्यास भी छात्रों के लिए फायदेमंद योग है। इस आसन से मानसिक शांति मिलती है। एकाग्रता बढ़ती है और पाचन तंत्र में सुधार होता है। सुप्त वज्रासन को करने से नींद अच्छी आती है। मांसपेशियों में होने वाले दर्द में सुप्त वज्रासन काम करता है। इससे छाती, गर्दन और पीठ की मांसपेशियों में होने वाला दर्द कम होता है। जिन लोगों को पूरे दिन एक जगह बैठकर काम करना होता है। सुप्त वज्रासन ऐसे लोगों के लिए असरदार है और पीठ के दर्द से राहत दिलाता है। सुप्त वज्रासन करने से ब्लड संचार तेजी से होता है। जिससे किडनी, लिवर, अग्नाशय में ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है और ये अंदरूनी अंग ज्यादा अच्छे तरीके से काम कर पाते हैं।

अभ्यास

वज्रासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठकर अपने पैरों को पीछे की ओर मोड़ें। पीठ को सीधा रखें और हाथों को घुटनों पर रखें। गहरी सांस लेते हुए 5-10 मिनट तक इसी स्थिति में बैठें।

ताड़ासन

इस आसन के अभ्यास से शारीरिक और मानसिक संतुलन बढ़ता है। लंबे समय तक बैठकर पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए यह फायदेमंद योग क्रिया है। ताड़ासन शक्तिशाली आसन है, जो गलत पोस्चर और रीढ़ की हड्डी की खराबी को ठीक करने में मदद करता है। यह आसन स्पाइनल कर्व को प्रोत्साहित करता है और कोर मसल्स को मजबूत बनाता है। ताड़ासन के नियमित अभ्यास से पीठ दर्द, गर्दन में तनाव और खराब मुद्रा से जुड़ी अन्य समस्याओं को कम किया जा सकता है। ताड़ासन की स्थिति को बनाए रखने के लिए संतुलन और शारीरिक जागरूकता की आवश्यकता होती है।

तरीका

ताड़ासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर अपने हाथों को सिर के ऊपर जोड़ें। पंजों पर खड़े होकर अपने शरीर को ऊपर की ओर खींचें। कुछ सेकंड तक इस स्थिति में रहें और धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

भुजंगासन

मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बढ़ाने और थकावट दूर करने के लिए भुजंगासन का अभ्यास किया जा सकता है। भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में असरदार योग है। भुजंगासन को पाचन, लिवर और किडनी के कार्यों में सुधार करने वाला योगासन माना जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। छाती और फेफड़ों, कंधों और पेट की मांसपेशियों को फैलाता है। तनाव और थकान को दूर करने में मदद करता है। साइटिका की समस्या को कम करने में लाभदायक। भुजंगासन का नियमित अभ्यास अस्थमा के लक्षणों को कम करता है। ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से आपके चेहरे पर निखार आता है।

तरीका

वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं। अब दाहिने घुटने को मोड़कर दाएं पैर को बाईं जांघ पर रखें। बाएं पैर को सीधा रखते हुए शरीर का संतुलन बनाएं। हाथों को सिर के ऊपर उठाएं और हथेलियों को एक साथ मिलाकर नमस्ते मुद्रा में लाएं। कुछ समय इसी अवस्था में रहें और फिर सांस छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं।

वृक्षासन

एकाग्रता बढ़ाने के लिए वृक्षासन का अभ्यास सहायक है और मानसिक स्थिरता को मजबूत करता है। इस आसन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर एक पैर को दूसरे पैर की जांघ पर रखें। हाथों को सिर के ऊपर जोड़ें। संतुलन बनाए रखें और धीरे-धीरे सांस लें। वृक्षासन संतुलन बनाने वाला आसन है, जिससे शारीरिक और भावनात्मक दोनों संतुलन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। वृक्षासन पैरों, टखनों, पिंडलियों, घुटनों और जांघों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इस आसन से एकाग्रता में सुधार होता है। साइटिका की समस्या में इस योग के अभ्यास से राहत मिल सकती है।

हंसना मना है

आज कुछ घबराये से लगते हो, ठंड में कपकपाये से लगते हो, निखर कर आई है सुरत आपकी, बहुत दिनों बाद नहाये से लगते हो।

ससुर ने दामाद से कहा- 6 साल में 8 बच्चे। ये क्या है? दामाद- मैने आपसे कहा था गरीब जरूर हूं, पर आपकी बेटी को कभी खाली पेट नहीं रखूंगा!

एक दिन संता अपनी भाभी को पीट रहा था, राह चलते लोगों ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगों ने पूछा- क्यों क्या हुआ? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते हैं, और जिसे भी पूंछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते हैं तेरी भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है। सासूजी: कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा। पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

कहानी | शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: तो इस प्रकार स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रोड्यूसर की तुलना में एक्टर का काम है आसान : सोहम

फिल्म क्रेजी का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इस लॉन्च सेरेमनी में अभिनेता और प्रोड्यूसर सोहम शाह ने खुलकर बात की। उन्होंने फिल्म के नाम और उससे जुड़े कुछ किस्से भी साझा किए। उन्होंने बताया कि निर्देशक गिरीश कोहली से उन्होंने ऐसा सवाल किया, जिसका जवाब सुनकर वे भी चुप ही रह गए। सोहम शाह ने फिल्म का एक किस्सा सुनाया। सोहम ने कहा कि फिल्म बनाते वक्त बीच में हमारे पास पैसे खत्म हो गए थे। हमने सोचा कि चलो इसमें किसी स्टार को ले आते हैं, उससे काम करवा लेंगे, फिर मैंने गिरीश को फोन किया, तो उन्होंने ऐसा जवाब दिया कि फिर हमने किसी स्टार को लाने के बारे में ही सोचना छोड़ दिया। दरअसल, इस पर गिरीश ने जवाब दिया कि सोहम मुझे एक अभिनेता के तौर पर आपके साथ ही काम करना है। प्रोड्यूसर होना तो वाकई बाद की बात है। इसके बाद सोहम ने फिल्म में किसी और अभिनेता को कास्ट करने की बात करना छोड़ दिया। फिल्म के टाइटल के बारे में सवाल किए जाने पर निर्देशक और लेखक गिरीश कोहली ने कहा कि किसी भी फिल्म का शीर्षक उसका सारांश होता है। एक ऐसा शब्द जो आप फिल्म देखने के बाद सोचते हैं। इसी तरह हम फिल्म का टाइटल चुनते हैं। क्रेजी फिल्म को लेकर सोहम शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि एक्टर का काम वाकई सबसे अच्छा और आसान काम है। लोगों को लगता है कि प्रोड्यूसर को कुछ आता ही नहीं होगा। इंडस्ट्री से प्रोड्यूसर को पूरी तरह से हटा ही दिया गया है। फिल्म को लेकर उनसे कोई बात ही नहीं की जाती है। क्रेजी फिल्म के लेखक गिरीश कोहली हैं। इसे सोहम शाह, मुकेश शाह, अमिता सुरेश शाह और आदेश प्रसाद ने प्रोड्यूज किया है। फिल्म में गाने गुलजार ने लिखे हैं। म्यूजिक विशाल भारद्वाज ने दिया है। फिल्म 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है।

मात्र तीन दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई 'छावा'

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना और विनीत कुमार सिंह स्टारर छावा को बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म ने तीन दिन में ही 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है। इसके साथ ही यह इस साल सबसे तेजी से 100 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया, सारा अली खान स्टारर स्काई फोर्स ने 100 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, लेकिन इसके लिए 3 हफ्ते से ज्यादा का समय लगा। लेकिन विक्की की फिल्म ने महज 3 दिन में ही ये कलेक्शन कर लिया।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्की कौशल की 'छावा' ने तीसरे दिन यानी रविवार को 48.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। जबकि दूसरे दिन इसने 37 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। ओपनिंग डे पर छावा का कलेक्शन 31 करोड़ रुपए था। इस तरह तीन दिन में फिल्म ने 116.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। क्रिटिक्स और ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि यह फिल्म विक्की के लिए करियर चेंजिंग साबित होगी।

'छावा' विक्की कौशल की अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी है। अब सभी की नजरें आने वाले दिनों में इसके प्रदर्शन पर टिकी हैं। अगर 'छावा' वीक डेज में अच्छा परफॉर्म करती है, तो विक्की के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन सकती है। मेकर्स और ट्रेड एनालिस्ट्स ने भी वीकडेज में फिल्म चलने की पॉसिबिलिटीज जताई है।

'छावा' महाराष्ट्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी 'छावा' को पॉजिटिव रिस्पांस मिला है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वॉर एक्शन-ड्रामा 'पद्मावत' के लाइफटाइम बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पीछे छोड़कर बॉलीवुड की पीरियड-ड्रामा फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन पाती है या नहीं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 400 करोड़ रुपए और अन्य देशों में 185 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 585 करोड़ रुपए है।

बिना स्ट्रगल के कुछ नहीं मिलता : साकिब सलीम

साकिब सलीम इन दिनों क्राइम बीट शो में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। साकिब सलीम ने अपने करियर और शोज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर के पड़ावों पर ऑडिशन देने से पीछे नहीं हटते हैं।

साकिब ने पत्रकार की भूमिका को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वाकई ये बहुत मुश्किल जिंदगी है। यहां दिन-रात और तीन बार के खाने का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। आप हर समय किसी न किसी काम के पीछे भागते रहते हैं। बहुत जल्दी आपको कुछ भी नहीं मिलता है।

अभिनेता ने कहा कि अब अगर कोई मेरे पास स्टोरी मांगने या किसी बातचीत के लिए आता है तो मैं अब उन्हें अलग नजरिए से देखता हूं। पहले मैं ऐसा नहीं था, इस शो का मुझ पर काफी असर हुआ है। वे भी अपना काम ही करते हैं। अब मैं उनसे कहता हूं कि रुकिए मैं क्या बात कर सकता हूं, जिससे आपको स्टोरी मिल सके। ये बदलाव मैंने अपने अंदर महसूस किया है। साकिब ने कहा कि वे अभी भी ऑडिशन देते हैं। स्ट्रगल करते हैं और इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। साकिब ने कहा, आपको हर किरदार के लिए काम करना पड़ता है। मैंने अपने जीवन में 15-16 फिल्में या शो किए होंगे। अगर मैंने ऑडिशन नहीं दिया है, तो हर चीज के लिए भागदौड़ करनी पड़ी है। यह मेरे पास नहीं आया। मुझे कई जगहों पर जाना पड़ा और लोगों को खुद पर विश्वास दिलाना पड़ा।

साकिब ने कहा कि उन्हें ऑडिशन किए जाने की बात पर गुस्सा आ जाता था। वे बुरा मान जाते थे, हालांकि, अब उन्हें इस बात का महत्व समझ आ गया है। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको ऑडिशन देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह आपका काम है। आप घर बैठे बेहतर अभिनेता नहीं बन सकते हैं।

अजब-गजब | गजब : एक ऐसी ट्रेन जिसका मालिकाना हक रेलवे के पास नहीं

इस ट्रेन में बिना टिकट बेधड़क यात्रा करते हैं यात्री

भारत में ट्रेनों में सफर करने के लिए वैध टिकट लेना जरूरी होता है। अगर कोई बिना टिकट ट्रेन में चढ़ जाता है, तो टीटी उसे पकड़ लेते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि बिना टिकट यात्रा करना कानून अपराध है। लेकिन, आपको जानकार हैरानी होगी कि देश में एक ऐसी ट्रेन भी चलती है, जिसमें बिना टिकट के ही लोग टशन से बैठे रहते हैं। इतना ही नहीं, उस ट्रेन के अंदर टीटी भी नहीं घुसता है। लोग सालों से ये फोकट की यात्रा कर रहे हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये ट्रेन चलती कहां है? ऐसे में बता दें कि यह ट्रेन भारत का स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर मौजूद शिवालिक की पहाड़ियों के बीच चलती है। दरअसल, शिवालिक की पहाड़ियों के बीच यह ट्रेन पिछले 75 सालों से पंजाब के नांगल और हिमाचल प्रदेश के भाखड़ा के बीच प्रतिदिन निःशुल्क चलती है।

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस ट्रेन के बारे में भारत के बहुत कम लोगों को ही पता है, जबकि विदेशी टूरिस्ट्स इससे पूरी तरह परिचित हैं। इस ट्रेन का नाम भाखड़ा-नांगल ट्रेन है। यह सफर करीब 13 किलोमीटर का है। खास बात यह है कि इस ट्रेन का मालिकाना हक रेलवे के पास नहीं है, बल्कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के पास है।

मूल रूप से इस ट्रेन का इस्तेमाल डैम से जुड़े

अधिकारियों और कर्मचारियों को डैम बांध तक लाने और ले जाने के लिए किया जाता है। लेकिन आम आदमी भी इस ट्रेन में फ्री में सफर कर सकता है। वैसे बता दें कि 1948 में स्वतंत्र भारत के औद्योगीकरण के रथ के पहिए इसी भाखड़ा-नांगल बांध के इर्द-गिर्द घूमे। उस समय बांध निर्माण सामग्री ले जाने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों के परिवहन के लिए यह विशेष रेलगाड़ी शुरू की गई थी। बांध का निर्माण पूरा होने के बाद जब इस रेलगाड़ी को रोकने का मुद्दा उठा तो भाखड़ा नांगल प्रबंधन बोर्ड ने निर्णय लिया कि इस रेलगाड़ी को नहीं रोका जाएगा तथा यह निशुल्क संचालित होती रहेगी। तब से लेकर आज तक प्रबंधन बोर्ड ही ट्रेन चलाने का खर्च वहन कर रहा है। उनके अनुसार, यह महज एक रेलगाड़ी नहीं है, यह एक ऐतिहासिक स्मारक है।

अविभाजित भारत की स्मृति के साथ इस ट्रेन के डिब्बे उस ब्रिटिश काल का इतिहास समेटे हुए हैं। बता दें कि इस ट्रेन के डिब्बे कराची में बनाये गये थे, जो लकड़ी से बने हैं। यकीन मानिए, इस ट्रेन को देखकर आप इतिहास के उस दौर में पहुंच जाएंगे। इस ट्रेन को बॉलीवुड की फिल्म में भी दिखाया गया है। सुपरस्टार राजेश खन्ना की फिल्म चलता पुरजा में इसकी झलक दिखी थी। यह ऐतिहासिक ट्रेन जब सतलुज नदी के ऊपर से आगे बढ़ती है और शिवालिक पहाड़ियों से होकर गुजरती है, तब इसकी अद्वितीय सुन्दरता की तुलना केवल स्विटजरलैंड से की जा सकती है। जून-जुलाई के भारी मानसून के मौसम के दौरान इसकी सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती रहती है।

भारत में भी है चीन जैसी 'ग्रेट वॉल' जिसका रहस्य सुनकर आप हो जायेंगे हैरान

तमिलनाडु के कुमारी जिले में एक रहस्यमयी दीवार मौजूद है, जिसे 'कुमारी ग्रेट वॉल' कहा जाता है। यह दीवार लगभग 25 किलोमीटर लंबी है और देखने में चीन की प्रसिद्ध दीवार की तरह लगती है। इतिहासकारों का मानना है कि इसे आक्रमणों से बचाव के लिए बनाया गया था। यह ऐतिहासिक दीवार आज भी इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों को आकर्षित करती है। कुमारी जिला, जिसे पहले नांजिल नाडु कहा जाता था, 10वीं सदी तक आय वंश के शासकों के अधीन था। यह क्षेत्र अपनी उर्वर भूमि और जल स्रोतों के कारण बहुत महत्वपूर्ण था। यही कारण था कि पड़ोसी राज्यों की हमेशा इस पर नजर रहती थी और समय-समय पर यहां आक्रमण होते रहते थे। संगम काल से लेकर 18वीं सदी की शुरुआत तक इस क्षेत्र में कई युद्ध हुए। राजाओं ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रयास किए। आरलवायमोजी मार्ग, जो उस समय एक महत्वपूर्ण सैन्य मार्ग था, की रक्षा के लिए एक विशाल पत्थर की दीवार का निर्माण किया गया। आरलवायमोजी मार्ग आय नाडु का मुख्य प्रवेश द्वार था, जिससे होकर चेरा नाडु पहुंचा जा सकता था। इसी कारण, इस मार्ग की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण थी। इसे मजबूत बनाने के लिए पहाड़ियों को जोड़कर समुद्र तक पत्थर की दीवार बनाई गई, ताकि आक्रमणकारियों को रोका जा सके। इस दीवार का निर्माण 8वीं सदी में किया गया था। शुरू में यह दीवार मिट्टी से बनी थी, लेकिन बाद में इसे मजबूत बनाने के लिए पत्थरों का इस्तेमाल किया गया। आय राजा करुणानंदकन ने इसे पुनर्निर्मित किया, और 1729 में त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा ने इसे पत्थरों से और मजबूत किया। समय के साथ-साथ कई युद्धों के कारण यह दीवार नष्ट हो गई। 1809 में अंग्रेज अधिकारी कर्नल लीगर की सेना ने थलवाय वेलुथाम्बी की सेना को हराकर इस दीवार को काफी हद तक नष्ट कर दिया। आज केवल इसके कुछ अवशेष ही बचे हैं, जिन्हें कुछ स्थानों पर देखा जा सकता है। आज भी इस दीवार के कुछ हिस्से आरलवायमोजी अन्ना कॉलेज, मुरुगन कुंड्रम और रामनाथिचनपुदुर में देखे जा सकते हैं।1970 में इस ऐतिहासिक स्थल के कुछ भागों को अन्ना कॉलेज को कक्षा के रूप में उपयोग करने के लिए दे दिया गया था। अब इस दीवार के स्थान पर नई कन्याकुमारी-तिरुनेलवेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सूचना पट्टिकाएं लगाई गई हैं, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं। यहां घूमने आए एक पर्यटक भगवत ने कहा, मैंने देखा कि यहां चेरा और पांड्य राज्यों की सीमाओं से जुड़ी जानकारी दी गई है। दीवार के अवशेष अब भी मौजूद हैं। अगर इसे संरक्षित किया जाए, तो यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है।

अजब-गजब है मप्र की भाजपा सरकार : जयराम

» उप नेता प्रतिपक्ष पर हुए केस पर भड़के कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधान सभा उप नेताप्रतिपक्ष हेमंत कटारे और उनके भाई, पत्नी, मां सहित दो अफसरों पर पर राजधानी भोपाल के आईएसबीटी पर स्थित पेट्रोल पंप जमीन आवंटन मामले में ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया है। हेमंत कटारे पर केस दर्ज होने पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नारजगी व्यक्त किया है। और ने एक्स पर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि अजब-गजब मध्य प्रदेश भाजपा सरकार, नर्सिंग घोटाले और परिवहन घोटाले का खुलासा करने वाले उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत सत्यदेव कटारे पर फर्जी मुकदमा दर्ज, लेकिन घोटाले में शामिल एक आरक्षक जिसकी 100 करोड़ से अधिक संपत्ति मिली, इस प्रकरण में भाजपा के मंत्री एवं किसी भी अफसर पर कोई एफआईआर नहीं, कोई कार्रवाई नहीं।

जयराम ने आगे लिखा कि पूरे मध्यप्रदेश के लोगों को इस अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। कांग्रेस का कार्यकर्ता झुकेगा नहीं, लड़ेगा। पूरा कांग्रेस परिवार इस अत्याचार के खिलाफ आपके साथ है।

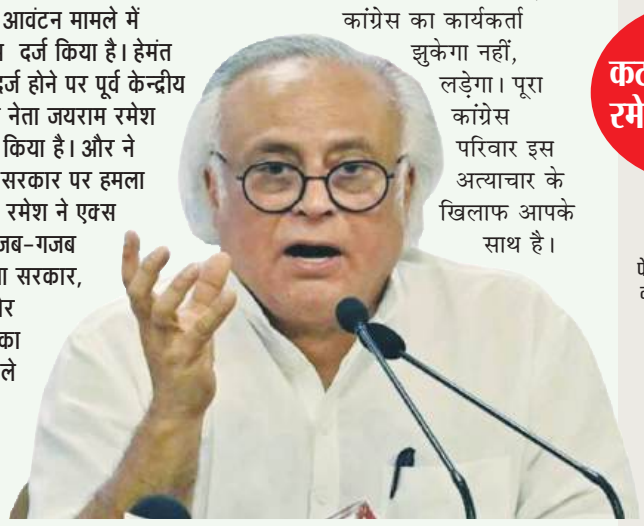

सौरभ शर्मा के मामले को उप नेता ने उठाया था

दरअसल परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मामले में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह पर सौरभ की नियुक्ति की सिफारिश करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने सीएम और ईओडब्ल्यू, लोकायुक्त और डीजीपी को पत्र लिखकर भोपाल के आईएसबीटी पर स्थित हेमंत कटारे के पेट्रोल पंप के जमीन आवंटन में गड़बड़ी सहित तमाम मामलों में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है।

हेमंत कटारे ने जयराम रमेश का जताया आभार

जयराम रमेश के ट्वीट पर उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने लिखा कि धन्यवाद जयराम जी, सत्य और न्याय की इस लड़ाई में साथ खड़े होने के लिए। इतिहास गवाह है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, अंततः सत्य की ही जीत होती है। संघर्ष जारी रहेगा, और इसी तरह पूरी ताकत के साथ भाजपा के भ्रष्टाचार और अन्य काले कारनामों को उजागर करते रहेंगे।

सुरक्षा में कटौती से महाराष्ट्र में बवाल

» महायुति में विवाद बढ़ने के कारण हुआ निर्णय!

» विपक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में दरार बढ़ने की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अधीन गृह विभाग ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 20 विधायकों की वाई-सुरक्षा वापस ले ली है। इसको लेकर सियासी रार बढ़ गई। हालांकि भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के कुछ विधायकों की सुरक्षा भी कम की गई है, लेकिन यह संख्या शिवसेना के विधायकों से काफी कम है। इस कदम को राज्य के संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार की पहल के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इन विधायकों को वाई-सुरक्षा कवर एक अतिरिक्त भत्ते के रूप में दिया गया था, जबकि वे मंत्री नहीं हैं।

यह इन विधायकों को 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से अलग होने के बाद प्रदान किया गया था, जिसके कारण अंतत: महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इस निर्णय से शिंदे सेना और भाजपा के बीच चल रहे तनाव में और वृद्धि होने की संभावना है, तथा इस नवीनतम कदम को फडणवीस द्वारा अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। पिछले महीने, दावोस में विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले, फडणवीस ने एनसीपी के तटकरे (श्रीवर्धन) को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नामित किया। हालांकि, यह शिंदे को अच्छा नहीं लगा, जो पहले से ही मुख्यमंत्री पद से वंचित होने से नाराज थे।

शिंदे सेना के 20 विधायकों की वाई सुरक्षा में कटौती

महायुति वैलेंटाइन माह मना रही : प्रियंका चतुर्वेदी

विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के कुछ महीनों बाद सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच स्पष्ट कलह पर कटाक्ष करते हुए, सेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया, महायुति वैलेंटाइन माह मना रही है। नहीं। भाजपा और शिंदे सेना के बीच गतिरोध, जो रायगढ़ और नासिक के लिए संरक्षक मंत्री पदों को लेकर शुरू हुआ था - एक मुद्दा जो अभी भी अनसुलझा है, अन्य क्षेत्रों में भी फैल गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी : क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं कोहली

» विराट के पास सर्वाधिक रन बनाने का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने का सुनहरा मौका है। इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में कोहली से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिनका आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर रिकॉर्ड है। इस आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान और दुबई में होगा। भारत इस टूर्नामेंट के लिए ग्रूप ए में शामिल है जिसमें गत चैंपियन पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी मौजूद है।

चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 17 मैचों में 52.73 के औसत और 88.77 के स्ट्राइक रेट से 791 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कोहली गेल के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। इस भारतीय बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी में 13 मैचों में 88.16 के औसत और 92.32 के स्ट्राइक रेट से 529 रन बनाए हैं जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। कोहली का इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च निजी स्कोर नाबाद 96 रन है जो उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2017 में बनाया था। उन्होंने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रमश: नाबाद 81 और नाबाद 76 रनों की पारी भी खेली है। कोहली गेल को पीछे छोड़ने से 263 रन दूर हैं। अगर कोहली इतने रन बना लेते हैं तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी में भी सफल नहीं हुए थे। वह इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में सस्ते में आउट हुए थे। हालांकि, तीसरे मैच में उन्होंने अर्धशतक जरूर लगाया था।

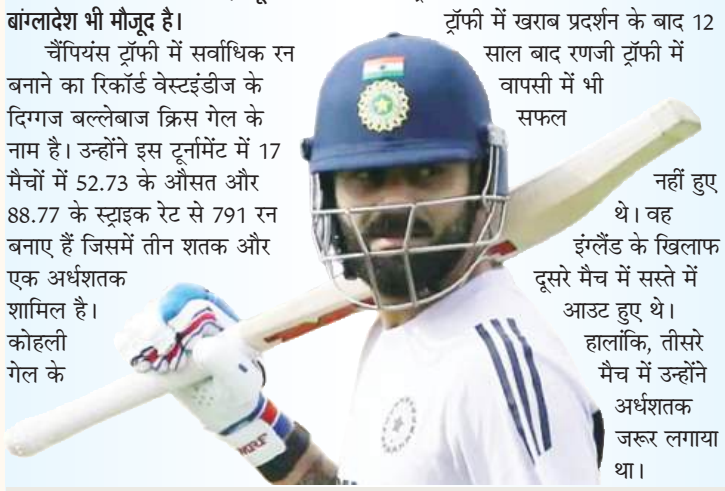

गिल भारत के लिए साबित होंगे तुरुप का इक्का

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार है। भारत के उपकप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार फॉर्म में दिखे थे। उनसे भारत को काफी उम्मीदें है। वनडे प्रारूप में 60 की शानदार औसत और 101 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ सात शतक और 15 अर्धशतक लगाने वाले गिल ने 50 वनडे मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह ऐसा प्रारूप है जिसमें वह विराट कोहली से जिम्मेदारी लेने वाले खिलाड़ी हो सकते हैं। कोहली और कप्तान रोहित शर्मा जैसे दो दिग्गज अब भी गिल का मार्गदर्शन कर रहे हैं और यह टूर्नामेंट गिल को सुपरस्टार से मेगास्टार में तब्दील कर सकता है। 2022 से गिल वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 47 मैचों में 63.45 के औसत और 102.87 के स्ट्राइक रेट से 2538 रन बनाए हैं।

पदक पाकर अभिभूत हुए विवि के छात्र

» इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का सोलहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह सम्पन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने 16वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन धूमधाम से किया, जिसमें शैक्षिक उत्कृष्टता और कड़ी मेहनत का सम्मान किया गया। इस भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के अध्यक्ष कुंवर मानवेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में तथा डा अरुण मायरा, भूतपूर्व सदस्य प्लानिंग कमीशन, फॉर्मर चांसलर केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल रहे साथ ही विश्वविद्यालय के संस्थापक और चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत और अन्य सम्मानित व्यक्ति भी इस आयोजन में मौजूद थे।

समारोह का संचालन डॉ. सबा सिद्दीक़ी द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सहज और सजीव बनाए रखा। मुख्य अतिथि कुंवर मनवेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और कहा, यह दीक्षांत दिवस आपके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, जो 2004 में स्थापित हुई थी, आज एक प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान बन चुकी है।

जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलने का शपथ लें युवा : अख्तर

विश्वविद्यालय के संस्थापक और चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, कि आप अपनी वर्षों की कठिन मेहनत का फल पाकर यहां तक पहुंचे हैं। यह शपथ लें कि आप जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलेंगे। हालांकि, वह रास्ता अस्थायी लाभ दे सकता है, लेकिन अंत में वही रास्ता आपको नुकसान पहुंचाएगा। अपने माता-पिता का सम्मान करें, वे आपके जीवन का सबसे बड़ा सहारा हैं।

कुल 3830 डिग्रियां वितरित की गईं

इस दीक्षांत समारोह में कुल 3830 डिग्रियां वितरित की गईं, जिनमें 177 पी एच डी. की डिग्रियां, 1075 पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रियां, 2389 स्नातक डिग्रियां और 189 डिप्लोमा डिग्रियां शामिल थीं। विभिन्न श्रेणियों में कुल 86 स्वर्ण पदक और 87 रजत पदक प्रदान किए। एम एस सी गणित की छात्रा इरम नाज़ ने पूरे विश्विद्यालय में टॉप कर स्वर्ण पदक जीता एवं एम टेक बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा अलवीरा परवीन आकिल ने रजत पदक जीता।

भीषण हादसा: डंपर और टेंपो में टक्कर, 6 की मौत

» शादी समारोह से लौट रहे थे, 12 लोग गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के भिंड में नेशनल हाईवे नंबर 719 पर देहात थाना क्षेत्र के जवाहरपुरा में सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, करीब 12 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि मौके पर सड़क का रंग खून बहने की वजह से लाल हो गया था। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से ग्वालियर के लिए रेफर किया गया है।

हादसे में बड़े डंपर ने टेंपो में टक्कर मार दी। इस हादसे में टेंपो के अलावा दो बाइक सवार भी चपेट में आए। सुबह 4 बजकर 40 मिनट का समय था। अचानक के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोग इधर-उधर भागते नजर आए। कुछ वहीं सड़क पर गिर गए और दम तोड़ दिया। सभी लोग एक विवाह समारोह में शामिल होकर अपने घर वापस लौट रहे थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर गरमाई सियासत

ज्ञानेश कुमार संभालेंगे जिम्मेदारी कार्यकाल के दौरान 22 राज्यों में चुनाव कराने की परीक्षा से होगा गुजरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश के नाम पर मुहर लग गई है। ज्ञानेश मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की जगह लेंगे। इसके साथ हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त बनाया गया है। उनकी नियुक्ति पर सियासी बवाल भी शुरू हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह चुनाव अयोग पर कब्जा करना चाहती है।कांग्रेस ने नियुक्ति को संविधान की भावना के खिलाफ और चुनाव प्रक्रिया को नष्ट करने वाला बताया।

बता दें मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक रहेगा। ऐसे में उनकी पहली पहली परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव में होगी। इसी साल आखिर में बिहार में चुनाव होने हैं, ज्ञानेश का कार्यकाल काफी अहम होने वाला है। मुख्य चुनाव आयुक्त पद रहते हुए उनके चार साल के कार्यकाल में 22 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने का जिम्मेदारी होगी। यही नहीं राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का जिम्मा भी उनके ही कंधों पर होगा।

फैसला संविधान विरोधी : केसी वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद और महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ शासन देश की चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा कि आधी रात को जल्दबाजी में सरकार ने नए केंद्रीय चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। यह हमारे संविधान की भावना के खिलाफ है। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में दोहराया है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता के लिए, मुख्य चुनाव आयुक्त को निष्पक्ष हितधारक होना चाहिए। संशोधित कानून ने मुख्य न्यायाधीश को मुख्य चुनाव आयुक्त चयन पैनल से हटा दिया है। सरकार को मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने से पहले 19 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई तक इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने लिखा कि जल्दबाजी में बैठक आयोजित करने और नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने का उनका फैसला दिखाता है कि वे सर्वोच्च न्यायालय की जांच को दरकिनार करने और स्पष्ट आदेश आने से पहले नियुक्ति करवाना चाहते हैं। ऐसा घिनौना व्यवहार केवल उन संदेहों की पुष्टि करता है जो कई लोगों ने व्यक्त किए हैं कि कैसे सत्तारूढ़ शासन चुनावी प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है और अपने लाभ के लिए नियमों को तोड़-मरोड़ रहा है। चाहे वह फर्जी मतदाता सूचियां हों, भाजपा के पक्ष में कार्यक्रम हों, या ईवीएम हैकिंग की चिंताएं हों, सरकार और उसके द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसी घटनाओं के कारण गहरे संदेह के घेरे में हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि विपक्ष के नेता ने सही कहा, इस निर्णय को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए था जब तक कि सर्वोच्च न्यायालय संविधान के अनुरूप इस मुद्दे पर निर्णय नहीं ले लेता।

चार राज्यों में कराने होंगे चुनाव

ज्ञानेश कुमार की मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में पहली परीक्षा बिहार में होनी है. इसके बाद साल 2026 में केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और असम में विधानसभा कराने होंगे। फिर 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, गोवा, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। साल 2028 में भी कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसमें मेघालय, नागालैंड, तेलंगाना, त्रिपुरा और कर्नाटक में विधानसभा होंगे. इसके आलावा साल 2029 में मध्य प्रदेश, मिजोरम, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे. इस तरह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में देश के 22 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराया जाना है।

सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर अल्लाहबादिया को लगाई फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉमेडी शो इंडियाज गॉट लैटेंट पर यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की टिप्पणियों को आपत्तिजनक, घृणित और गंदा बताया। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबादिया को फटकार लगाते हुए कहा, किसी को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज के मानदंडों के खिलाफ कुछ भी बोलने का लाइसेंस नहीं है।

अदालत ने बाद में पूछताछ के दौरान उनसे पूछा, क्या आपको अपनी गंदी मानसिकता को बाहर निकालने के लिए कुछ भी कहने का लाइसेंस है? आप गुवाहाटी जाकर अपना बचाव क्यों नहीं करते? पीठ ने अत्यधिक असहमति जताते हुए कहा, आपने (अल्लाहबादिया) जो शब्द चुने हैं, वे आपके भ्रष्ट दिमाग को दिखाते हैं और हर माता-पिता, बहन और मां के साथ-साथ बच्चों को भी शर्मिंदा करेंगे। जैसा कि न्यायालय ने कहा, सोशल मीडिया पर आपको दी गई ये धमकियाँ केवल सस्ते प्रति-प्रचार की तलाश के लिए हैं, इसने अल्लाहबादिया के खिलाफ कथित धमकियों के बारे में चिंताओं को खारिज कर दिया।

राहुल गांधी परिवार से मिलकर गदगद हुए रामचेत, हाथ से बनी चप्पलें भी की भेंट

- सोनिया-प्रियंका भी रहीं मौजूद, परिजन भी थे साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। दिल्ली में एक खास मुलाकात ने सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींचा जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुल्तानपुर के मोची रामचेत और उनके परिवार से मुलाकात की। सोमवार शाम को हुई इस मुलाकात का वीडियो राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा किया।

एक मिनट 28 सेकंड के इस वीडियो में दिखाई देता है कि रामचेत के कमरे में प्रवेश करते ही राहुल गांधी ने उन्हें गले लगाया। इस दौरान प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। कुछ देर बाद सोनिया गांधी भी वहां पहुंचीं और हाथ जोड़कर अभिवादन किया। रामचेत ने सोनिया गांधी का आशीर्वाद लिया और अपने पोते का परिचय भी करवाया। मुलाकात के दौरान रामचेत ने बताया कि राहुल गांधी द्वारा दी गई मशीन से वे अब चप्पल बना रहे हैं। उन्होंने सोनिया और प्रियंका गांधी को अपने हाथों से बनाई चप्पलें भी भेंट कीं। रामचेत ने खुशी जताई कि अब उनकी दो दुकानें हो गई हैं।

मोची समाज ज्ञानवान पर सम्मान नहीं : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने मोची समुदाय के हुनर की सराहना करते हुए कहा कि उनमें बहुत ज्ञान है लेकिन समाज में उस ज्ञान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिल रहा है।

इसके बाद प्रियंका ने कहा सबसे ज्यादा महंगे जो जूते होते हैं वो हाथ से बने होते हैं। राहुल ने कहा आपका जो हुनर है उसमें थोड़ी पॉलिश लगानी होगी। तो ये मैं आपके साथ करूंगा। ठीक है। राहुल ने मशीन के उपयोग, उच्च गुणवत्ता के जूते बनाने की प्रक्रिया और बिक्री के तरीकों के बारे में भी चर्चा की। यह मुलाकात मोची समुदाय के उत्थान और पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के प्रयास का एक उदाहरण बन गई।

शेयर बाजार का नहीं हो पा रहा मंगल

पिछले मंगल से इस मंगलवार तक बाजार में नकारात्मकता छायी

- स्टार्टअप कंपनियों की राह नहीं है आसान
- 23 फीसदी तक गिरे शेयर ओला पहुंचा 60 रुपये पर
- पेटीएम के शेयरों में लगभग 10 फीसदी की गिरावट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शेयर बाजार में एतिहासिक गिरावट जारी है। पिछले मंगल से इस मंगलवार तक के समय में बाजार में नकारात्मकता छायी रही। इस दौरान निवेशकों के साथ-साथ सबसे ज्यादा बुरा हाल भारतीय स्टार्टअप कंपनियों का रहा। लांग टर्म और स्टेबलिश कंपनियों की सेहत पर उतना असर नहीं पड़ा है जितना असर स्टार्टअप कंपनियों का है। इन कंपनियों के शेयरों में 23 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।

न्यू एज टेक कंपनियों में फिनटेक शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बीते हफ्ते फिनो पेमेंट्स बैंक का शेयर 22.66 प्रतिशत फिसलकर 226.10 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, वीफिन सॉल्यूशंस के शेयर में 22.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 402.35 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम के शेयर में 9.79 प्रतिशत की गिरावट हुई है और यह शुक्रवार को 719.90 रुपये पर बंद हुआ।

इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार का भी बुरा हाल

बीते हफ्ते ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.87 रुपये पर बंद हुआ। पिछले हफ्ते निफ्टी में 2.8 प्रतिशत की गिरावट हुई है और गिरावट के लिहाज से यह इस साल का सबसे खराब हफ्ता था। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स ने इस गिरावट का नेतृत्व किया और यह हफ्ते में 9 प्रतिशत से अधिक फिसल गया।

ई-कॉमर्स में भी गिरवाट

इसके अलावा ई-कॉमर्स कंपनी यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस के शेयर में बीते हफ्ते में 20.98 प्रतिशत की गिरावट हुई और यह 118 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, जैगल प्रीपेड ओशियन सर्विसेज का शेयर 18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और यह 347.15 रुपये पर बंद हुआ। 10 फरवरी से 14 फरवरी तक के कारोबारी सत्र में फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी और जौमेटो के शेयर में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 6.36 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 341.60 रुपये और 216.44 रुपये पर बंद हुए।

स्मालकैप में भी नुकसान

निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 6 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स में कोरोना के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट हुई है। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स हफ्ते के दौरान 9.5 प्रतिशत फिसल गया, जो कि कोविड-19 के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इस दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.59 प्रतिशत और 3.24 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

सीपीसीबी की रिपोर्ट, नहाने लायक नहीं है संगम का पानी

प्रयागराज महाकुंभः एनजीटी को दी गई सूचना, अपशिष्ट जल संदूषण का सूचक 'फेकल कोलीफॉर्म' बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट के माध्यम से राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया गया कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान विभिन्न स्थानों पर अपशिष्ट जल का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं है। सीपीसीबी के अनुसार, अपशिष्ट जल संदूषण के सूचक 'फेकल कोलीफॉर्म' की स्वीकार्य सीमा 2,500 यूनिट प्रति 100 एमएल है।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में अपशिष्ट जल के बहाव को रोकने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने कहा कि सीपीसीबी ने तीन फरवरी को एक रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कुछ गैर-अनुपालन या उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है, नदी के पानी की गुणवत्ता विभिन्न अवसरों पर सभी निगरानी स्थानों पर अपशिष्ट जल 'फेकल कोलीफॉर्म' के संबंध में स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में लोग नदी में स्नान करते हैं, जिसमें अपशिष्ट जल की सांद्रता में वृद्धि होती है।

एनजीटी ने दिया एक दिन का समय

पीठ ने कहा, यूपीपीसीबी की केंद्रीय प्रयोगशाला के प्रभारी द्वारा भेजे गए 28 जनवरी के पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजों की समीक्षा करने पर भी यह पता चलता है कि विभिन्न स्थानों पर अपशिष्ट जल का उच्च स्तर पाया गया है। एनजीटी ने उत्तर प्रदेश राज्य के वकील को रिपोर्ट पर गौर करने और जवाब दाखिल करने के लिए एक दिन का समय दिया। पीठ ने कहा, सदस्य सचिव, यूपीपीसीबी और प्रयागराज में गंगा नदी में पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार संबंधित राज्य प्राधिकारी को 19 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई में डिजिटल तरीके से उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।